Dainik Bhaskar, 17th August 2017, Page – 19

कचरे से खाद बनाएंगे IIT स्टूडेंट्स, किसानों को बांटेंगे मुफ्त में

आईआईटी के सोशल वेलफेयर क्लब ने केमिकल बैरल्स को डस्टबिन में किया तब्दील, गांववालों व स्कूलों को करवाएंगे उपलब्ध

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंदौर, आस-पास के चार गांवों के घरों से निकलने वाला कचरा अब खाद के रूप में वहीं के किसानों को मिलेगा। मुफ्त में मिलने वाली इस खाद के लिए उन्हें बस घर का कचरा अलग-अलग डस्टबिन में इकट्ठा करना होगा। इसके लिए डस्टबिन भी आईआईटी ही उपलब्ध करवा रहा है जिसे स्टूडेंट्स ने संस्थान से निकलने वाले टीन के खाली केमिकल बैरल्स से तैयार किया है। 15 अगस्त पर स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के दौरान ही आईआईटी डायरेक्टर ने इस स्वच्छता कैंपेन की शुरुआत की। आईआईटी के सोशल वेलफेयर क्लब अवाना ने ये स्वच्छता कैम्पेन, उन्नत भारत अभियान के तहत शुरू किया है।

सफाई और सेहत का पाठ

आईआईटी स्टूडेंट्स नयागांव, इंदिरा आवास, जगजीवन ग्राम और सिमरोल में स्वच्छता कैम्पेन चला रहे हैं। केमिकल के खाली बैरल्स को हरे और नीले दो रंगों में रंगकर 132 घरों और स्कूलों में रखवाया है। गांव के लोगों और किसानों के साथ स्टूडेंट्स को सफाई के बारे में जानकारी भी दी जाएगी ताकि वे इसका महत्व समझने के साथ घर के कचरे को अलग-अलग इकट्ठा करें।

'स्वाहा' से बनेगी खाद

स्टूडेंट्स के अनुसार गांवों से निकलने वाले कचरे को खाद में तब्दील किया जाएगा। इसके लिए संस्थान के ही स्टूडेंट्स की बनाई गए मशीन स्वाहा का उपयोग किया जाएगा। ये मशीन कचरे को खाद में बदलने के लिए उपयोगी है। इस खाद को गांव के किसान खेतों में उपयोग कर सकेंगे। उन्हें ये निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। स्वतंत्रता दिवस पर संस्थान के निदेशक प्रदीप माथुर ने इस कैम्पेन की शुरुआत की।